

उँअ => मूढी राहिए पाग पंजाबी मारिउ ही एर गंठमपी  
 राहिए पाग गें। पंजाबी मरिआचार नै उरार,  
 मरघ - मांझा अउं माकडडाहारी धरुअह - एर ही  
 एम धापी नै अरिम रेट हँडी गें। मगर  
 मारिउ तां रहिउा ही एउ डरीगी एरें गी  
 यँरा उँरी गें एम राउर यंजाबी मूढी  
 राहिए ही पंजाबी मारिउ नै एउउ अरिम  
 रेट गें।

मूढीहार ही उँर एमकाम उं उँजागर  
 उँरी गें। "पुं: गुरदंड मिध" अरुमार, :-

"मूढीहार ममँची एमकामी परम - मंमरिउी  
 एं एडिगम एा एरें मउँडपुकर उग गें।"

ममँचा मूढीहार उँम ममँ... ही झकर ही झकर  
 गें, सिम ममँ एमपी उरका बीडी गपी।  
 रिम ही उरकावार एमारु मापह परम अउं  
 ममातिर मंधपां नै एरमा वे गी मापही  
 अरु ही उँमारी बीडी तांरी गें।  
 'मूढी' मधर अरधी उमा एा मधर गें।  
 एर मधर 'मूढ' उं निरकिमा उं सिम एा  
 अरघ उं 'राज्ञा रँपज्ञा'। "यगिरे एमकामी डबीर  
 अउं एरहेम राज्ञी उँर ए रँपज्ञे यगिरे मर। एर  
 उँरुं ही यारमिब मारगी एा चिनु मी। एम  
 नै उँरुअह एाकिमां एा नां मूढी यें गिमा।"  
 'मूढी' मधर ही उँउपडी उं अरघां मंधपी  
 एरहाकां नै अनेकां एरिंर पुगटाए उँर। उर  
 एरहाक नै एरगी पूँरुउा बीडी गें वि उँमरे  
 एरिंर पुमातिर उँर।

⇒ रावमदिर परिचय :-

हामउद्विबडा, जे, गिमाउ  
 वीमडा, वावडा, मरु अडे गुमा री मरुट  
 मपारत अडे धरिमाएी दिउरत हा अपिभेते  
 गे, एर गिमाउ री उर माधा ये ने मरु  
 अडे वरुउ री काम निभमां अडे उरतां  
 री अउर - मरुयां हा अपिभेते वरुी गे।  
 मंगरुनी मधर

द्विभे दिप्रामदी (philosophy) उं प्रउउर जगती  
 मधर (द्विभेमदीमा) उं माएिमा उं,  
 निमरा मधरी मरुष ये: "अरुत नरु मरुयउ।  
 एरुम रावमरु रीउर मरु उर उं चीदर  
 री मरुषां री येन नाम ये। अपिभाउमिर  
 मरुफिमां री उउर मरुड लरी एमरी परुच  
 काम लेवा री परुच नरुके हंषरी, माफुउउमरु  
 पुडाफुीधप अडे उरुवमरुके री गे। पूरुगमा हस  
 ममी वरु मरुये गं :-

“रावमदिर परिचय परावष री  
 नरुके उउता री मरुषप हा  
 पूमत ना हिसा ये।”

मदी वदीमां ने एिमफामी परम अडे एिमफामी  
 वरु - चीदर ने मापटी वादि वरुडा हंमागा पूमउउ  
 वरुत हा उयेराफा वीउ। मदी रंष हा हाम  
 मरुषी चि रिरुए दिंभ मरुके मरु। एिम फली  
 मदी वादि री हयेरु हिसा माउहदारी उर।  
 मरुषे ने नेव मरुमरु वरुत हा उयेरुम हिरु।  
 गिमा ये। उर चीदर री रिरुए दिंभ उम  
 याव मरुफा ने मरुउह वरुत हा उयेरुम  
 हिरु गिमा ये।

ਇਸ਼ਕਾਮ ਇੱਠ ਆਪਣੀ ਪੁੱਠ ਤਾਇਨਾ ਨਾਭ ਰਹਿਣ ਲਾ  
 ਮੰਦਰ ਇੱਠ ਗਿਠਾ ਤੇ ਇਹੀ ਮੰਦਰ ਸੁੱਠੀ  
 ਵਠੀ ਆਪਣੀ ਗਾਇ- ਰਚਨਾ ਗਾਈ ਖੜਕਤ ਤੈ  
 ਇੱਠੇ ਜਨਾ ਪੰਜਾਬੀ ਸੁੱਠੀ ਗਾਇ ਦੀ ਰਚਨਾ ਵਰਨ  
 ਵਾਲੇ ਮੰਤੋ ਤੇ ਪਾਇੰਦੇ ਸੁੱਠੀ ਵਠੀ ਖਾਧਾ ਫਰੀਦ  
 ਸੀ ਜਨਾ ਫਰੀਦ ਸੀ ਤੇ ਖਾਧਾ ਮਾਭ ਗੁਮੰਦ  
 ਸੁੱਠੀ ਖਾਧਾ ਮਾਭ ਸੁੱਠੀ ਖਾਧਾ ਖਾਧਾ ਖਾਧਾ  
 ਗੁਮੰਦ ਮਾਭ ਮੀਠਾ ਮਾਭ ਸੁੱਠੀ ਖਾਧਾ ਖਾਧਾ  
 ਗੁਮੰਦ ਫਰੀਦ ਆਇ ਸੁੱਠੀ ਵਠੀਆਂ ਨੇ ਖਾਧਾ ਖਾਧਾ  
 ਦੀ ਇੱਠਾਇਤ ਵਰਨ ਤੇ ਸੁੱਠੀ ਇੱਠਾ ਇੱਠਾਇਤ  
 ਆਪਣੀ ਤਾਮਾ ਲਾ ਸੁੱਠੀ ਤੇ " ਸਿਮ ਲਾ  
 ਤਾਇਨਾ ਤੇ ਰੱਖ ਦੀ ਪੁੱਠਾ ਖਾਧੀ ਖਾਧੀ ਖਾਧੀ  
 ਇਸ਼ਕਾਮ ਆਤਮਾਰ ਖਾਧੀ ਆਪਣੇ ਰੱਖ ਦੀ ਪੁੱਠਾ  
 ਪੁੱਠਾ ਵਰਨ ਲਈ ਜੇ ਵਰਨ ਦੀ ਵਰਨਾ ਤੇ ਉਹ  
 ਇੱਠਾਇਤ ਤੇ ਇੱਠਾਇਤ ਦੇ ਨਾਭ ਨੇਕ ਨੀਮਤ ਲਾ  
 ਤੇ ਖਾਧੀ ਸੁੱਠੀ ਤੇ ਖਾਧੀ ਫਰੀਦ ਸੀ ਸੁੱਠੀ  
 ਵਠੀ ਖਾਧੀ ਉੱਠਾ ਉੱਠਾ ਸੁੱਠੀ ਲਾ ਖਾਧੀ ਸਿਮਾਇ  
 ਪੁੱਠਾ ਸੀ ਉੱਠਾ ਦੀ ਸੁੱਠੀ ਰਚਨਾ ਸੁੱਠੀ  
 ਦੇ ਪਾਇੰਦੇ ਗੰਠ ਲਾ ਉੱਠਾ ਇੱਠੀ ਤੇ ਕਿ ਸੁੱਠੀ  
 ਗੀ ਸੀਠਾਤਮਾ ਤੇ ਖਾਧੀ ਦੇ ਨਜ਼ਦੀਕ ਸਿਮਾਇ  
 ਵਾਧਾ ਸਾਧਨ ਤੇ ਸੁੱਠੀ ਲਾ ਖਾਧੀ ਵਰਨ ਵਾਧੇ  
 ਮੁੱਠਾ ਤੇ ਖਾਧੀ ਜਾ ਕੇ ਸੁੱਠੀ ਦੇ ਖਾਧੀ ਖਾਧੀ  
 ਪੰਠਾ ਤੇ ਫਰੀਦ ਸੀ ਤੇ ਮਗਰਫੇ ਸੁੱਠੀ ਵਠੀ ਇੱਠਾਇਤ  
 ਲਾ ਮੰਦਰ ਤੇ ਇੱਠੇ ਜਨਾ ਖਾਧੀ - ਉੱਠੀ ਸੁੱਠੀ  
 ਦੇ ਨਿਯਮ ਤੇ ਆਪਣੇ ਉੱਠੇ ਜਾਏ ਜਨਾ ਉਹ ਖਾਧੀ  
 ਦੀ ਪੁੱਠੀ ਖਾਧੀ ਖਾਧੀ ਖਾਧੀ ਖਾਧੀ - ਵਾਂਗ ਵਰਨ  
 ਨਾਭ ਆਤਮਿਕ ਤੇ ਖਾਧੀ ਖਾਧੀ ਨਾਭ ਇੱਠ - ਸਿਮਾਇ ਉੱਠ  
 ਇੱਠ ਖਾਧੀ ਰੱਖ ਲੱਗ ਖਾਧੀ ਉਹ ਸੁੱਠੀ ਇੱਠ -  
 ਇੱਠਾਇਤ ਲਾ ਤਿਮਾਗ ਵਰਨ ਖਾਧੀ ਤੇ ਤੇ ਖਾਧੀ  
 ਖਾਧੀ ਦੀ ਇੱਠਾਇਤ ਇੱਠ ਮਗਰ ਮਲ ।

ममंसे मुद्दी बाहे दिच येम वीडे दिउंठ

एरमतिर मरेबागं ही चरचा एम पुशर ये :-

परमाउमा हा मरुप :-

परमाउमा मारी सुिमटी हा मरुप ये। एर वर -  
 वर दिच हेमिमा ये। मारे नीह एम परमाउमा हे  
 घडाए जेहे जत मरुप एर माप गी - मरुप दिच धिगात्रम  
 ये। मुद्दी वहीमा ते घुजम हे मरुप हा  
 रंममही पुगटाहा बीडा ये। एरुं हे मरुप  
 पुउ - पुमाउमा हे एरउारे ते मरुप बीडा ना  
 मरुप ये, एम ही दिमाधिमा तगी वीडी  
 ना मरुप रिउंरि एर उा सुिमटी हे वर -  
 वर दिच धिगात्रम ये, ते वरुं मरुप  
 हेमावा गिमाउ उंहा ये। परमाउमा एर ये  
 घागे एम हे मरुप रुप जत। परमाउमा मरुप  
 हा हामी ये, रिउंरि एम परमाउमा हा वही  
 नाउ, परम मरुप मारार तगी ये, एर उा  
 एर रंम ये ते सुिमटी हे वर - वर दिच  
 हमरा ये, एर एर उा एर रंम :-

मरुप घाउर एरुं मारी  
 रिम ते माप मरुप।

## मरमर की लैज़ :-

मढ़ी बाह्रि याग मरमर/गु  
ही लैज़ लउटे एरके नै धाखधी धिम्माळ वीडा  
गिम्मा रें विडिंरि एर घाटी मल्लेख नै 'एरहेमी'  
हाफ्रा सीडह सीडिट रा उयरंम रिंरी गेटी विम  
मँचे गर नां मरमर रा मरीर धटल ही  
पूरुहा ही रिंरी गै। मरमर जी मरीर नै  
रंधी मसिफ उँर परंसाडि हाफ्रा मायक गै।  
मरमर मायडै मायव रिंरि चंग गृह पँरा  
वरक रिंरि मरगरी गैरा गै।

ਮੈਰ ਵੈਰੀ ਮੁਖਰ ਮਚਾਇਆ, ਜਾ ਵੇਖਣ  
 ਖਰ ਆਈ ਹੁ।  
 ਸੀਏ ਮੁਖਰ ਰਮਕ ਧਾਰ, ਜੈਂ ਇਹ  
 ਧੈਰੀ ਲਾਈ ਹੁ।

### ⇒ ਇਸਰ ਦਾ ਮੰਕਧ :-

ਮੁਢੀ ਗਏ ਧਾਰਾ ਦੇ ਵਈਆਂ  
 ਤੇ 'ਇਸਰ' ਦੇ ਮੰਕਧ ਤੇ ਧੜੀ ਖੁਧਮਰਤੀ  
 ਨਾਕ ਪੁਗਟਾਇਆ ਹੈ। ਉਹੀ ਤੇ 'ਆਤਮਾ -  
 ਖਰਮਾਤਮਾ' ਲਈ 'ਗੋ- ਗੰਢਾ' ਅਤੇ 'ਮੋਹੀ -  
 ਮਗੀਠਾਕ' ਆਇ ਪੂਰੀ ਵਰਤ ਵੇ ਇਸਰ ਮਜ਼ਾਕੀ ਦੀ  
 ਗੱਲ ਵਰਦਿਆਂ ਇਸਰ ਗੀਰੀ ਦੀ ਮੰਜਿਠ ਤੇ  
 ਪੁਮਤਤ ਵੀਤਾ ਹੈ। ਅ. ਜਮਤਰ

### ⇒ ਤਾ. ਗਰਿਅਤ ਮਿਧ ਅਨੁਸਾਰ :-

ਸਾਰ ਜਮੇਂ ਵੇਖੋ ਖਰਮਾਤਮਾ ਲਈ 'ਗੰਢਾ'  
 ਪੂਰੀ ਵਰਤ ਤੇ ਲਿਖੀ ਵਰਦੇ ਲਿਖਦੇ  
 ਹੁ ਕਿ " ਸਾਰ ਜਮੇਂ ਤੇ ਖਗਿਠੀ  
 ਵਾਰ ਆਪਣੇ ਮਗਿਠਾ ਦੇ ਚਿਤ੍ਰ ਲਈ  
 ਗੰਢੇ ਦਾ ਪੂਰੀ ਵਰਤਿਆ ਹੈ।

ਜੀ ਸਾਏ, ਮੈਂਨੀ ਖੋਲਿਆਂ ਦੀ ਗੱਲ ਨਾ ਆਖੀ।।  
 ਗੰਢਣ ਮੈਂਗਤਾ, ਜੈਂ ਗੰਢਣ ਦੀ, ਖੋਲਿਆਂ  
 ਤੇ ਵੜੀ ਸ਼ਾਬ 1।।

### ⇒ ਧਿਰਗ ਦਾ ਮੰਕਧ :-

ਮੁਢੀ ਗਏ ਧਾਰਾ ਦੀ ਮਸੱਚੀ  
 ਵਰਤਾ ਇਹ ਧਿਰਗ ਦੀ ਤੀਖਣਤਾ ਹੈ। ਲਿਖੀ " ਧਿਰਗ  
 ਦਾ ਮੰਕਧ ਵਈਆਂ ਤੇ ਵੇ ਮਜ਼ਾਕੀ ਅਤੇ ਗੀਰੀ  
 ਆਈਆਂ ਦੀਆਂ ਗਏ - ਵਰਤਾਣਾਂ ਇਹ ਵੀਖਿਆ ਜਾ

मरहा हैं। हामउह दिह धिरग रोग कापिमाउमर  
 उ गों कापिमाउमर माहिगं दिह मरु नें  
 ह्यो पादिमा नांरा हैं, रिदि रि पुरु दिह  
 सां मरिधध र दिहने ए उधेरा हनरु  
 हरीमां र उ मनाकी उ रिमर उरी  
 र वादि - रय दिह धिरधध हैं। धरु  
 मारीमां वादीमां मापे माफ र गिर दिह  
 प्रिधीमां पुडीउ रीमां ज। उ धिरग दिह  
 इरफा उठे उ मउ उदां री मरमघा  
 धिरग मरि रिमउरी हांग र नांरी हैं नें  
 धिरग र मउध उंहाउह मरी धिरधध  
 उ नांरी हैं। उ रिम मरमघा नें पुगताउिं  
 उर दिधरे उर :-

मसत धिर गडी रीमां हंरीमां।  
 माम हने हन पिंसर रीमां, वर वर रीमां रीमां।  
 रिमर ह्यपदिमा ह्यरा न्नी, धिरग उहां गंरीमां।

डा. गुरदिमाफ मिंध दिह दिधरे उर :-

“माग उमें र धिरग उम री धरु हंरी  
 प्रापडी हैं। रिमे धिरग ते उम नें  
 रिमरउ मिधापी हैं। रिमे धिरग रमाग  
 री उम नें रिमरउ मिधापी हैं। रिमे  
 धिरग रमाग री उम ते मापह मर  
 दिह दिवागं उ उमें री उहना री  
 माफ र ममार रर रिंउ री”

### मंगार एी तामभानडा :-

वही भसिग वही तगी ये भिम ते मंगार एी तामभानडा  
 ते धिमाकिमा ता रहे। एिम राहि मरुा हि  
 मनेवां धंरां हिं मंगार एी तामभानडा ते  
 एमभसिमा गिमा गे। नीहाउमा मंगार हे उम  
 उफेधमां हि उफेध रे भापहे ममफ मरमर  
 उं उरव कांरी गे। विरि मंगार भासिमा  
 ए एसा रुप ये। ने नीहाउमा ते ताम भिमरु  
 ए मारग उं उरवा वे भापहे भाउधुगी हउउरे  
 हि सउउ वर नैरा गे मउं मउं हे नीहाउमा  
 ते एिम नगत उं धाकी उंघ काहा येहा  
 गे धारु मसिगे फुडासिमान मंगार ते फागउां  
 पासिं फिधरा गे :-

मफद मॉपी लभनउ एतीमां उापी, मारी एतीमां  
 रागं गु।  
 सिहां गग माधि ए सख ता रीडी, धारु फेंत  
 गनध एीमां भागं गु।

### मों एा मरफध :-

वहीमां एभाता मों एा पुडाए मिचन वे नीहाउमा  
 ते उंम-गुमम वररी गे। नेवर गरु ताफ  
 हीधमा नाहे उां दगीए धाही मउं एमरे मूढीमउ  
 ए वहीमां एभाता मों एा हउउरे ते एमा वे  
 नीहाउमा ते उगा तगी गी, मगे एिम ते वरउ  
 ए एिम मरफे निधम पुडी मउं वर गी ये रि  
 एिम ते ताफिमा उा तगी ना मररा यर एिम  
 ए एियरउ मिफद हाफीमां मनाहां हिं तरभाही मिफ  
 मररी गे।



⇒ 3। मरुतीउ अतुमार :-

“मंडे दे हिमली धिए उे पके वे  
 गी उेग आपडे चगिरे तु  
 पूउध रगे अडे आपडा रादि-धेक  
 उिघावरे रिघापी रिंटे गत, एिम  
 मुरी मंडे गी रिंटे रि मसिग  
 उंडे वे वे ममंवे बकाम डगेर तु  
 एरडा उे रिबामंगडा पूराक रगर  
 रिघापी रिंटा रें।”

एिम उगां मुरी रादि ने मनेध तु रिंटे रडी  
 मचारी उे साटु रगटादिमा रें रि रिपरे रिमे  
 -द्विवांग रिंटे डम वे आपडे प्रीउम-पिमार तु  
 रिमार गी ता एंटे अडे अंडे एके पडडा रिंटा  
 पडे। रिंटे :-

॥ रिंटे रिमापी रलीमे उडा व रउरादि ॥  
 ॥ मार रिंटे न चकती रिंटे रें ममशदि ॥

⇒ नैउिबडा रा मरुज्य :-

3। निग्मक वेमिर :-

“नैउिबडा रा पुमंध उंडे रंगा हडीगा  
 ना मराचार रें, रिम तु एमरे  
 मधरां रिंटे आपरह ही रिंटा  
 नांटा रें।”

मरुधी सीदक हिन नैडिबडा ए घरुड मउउड ये  
 रिडिरे नैडिबडा गी मरुधी मउम हिन रंगे गरा  
 नै उररी गे। आरुम सीदक सीडिट सुधी मराग  
 वरगं - रीमडां ए पावनी जेहा घरुड नरुगी  
 गे। मरुध हिन ममानिब पुडी जेउं वरवे  
 म नरुम उं से वे मउं उं ममान हिन  
 हिनवरा गे। उं भापह सीदक - चंवर हिन  
 घरुड वरु ममान नै हिन ही उं अउं घरुड  
 वरु ममान वेकं लंरा ही गे। नैडिबडा  
 गे मरुध पम सुगाउ नुरे अउंउडा ए पावनी  
 घडाडिही उं। मदी घाडी घां-घां मरुधडा नै  
 नैडिबडा ए याठ पडाडिही उं। घरे रंमां नै  
 उं। उं रंमां ए मरुध हिन गिमा

हिन दिवा न गक्राए मरुध मं मरा पडी ॥  
 गिमाउ न रंगे ठागि माहव मउ अमोकेडे ॥

⇒ निष्के :-

उरुवेउ मरुध हिनघार पुरहव ह्य-  
 ह्य मरुधरा उं मयमट रंरा उं रि  
 मरुध मदी रादि हिन उं हिन हिन नै  
 हुरा गेहिमा हियरंमाउमर अउं मरुधडा ए  
 नउ सुधी नानमी गे। मयिमाउमिउडा, हिनर,  
 नाममाउडा धिरग मउं ममान उं  
 नैडिबडा भादि मउ मदीमां ही घाडी ए  
 रामनिब पध गे मरु। हिन मरु ममानिब  
 हिनमा ए जेउका नरु मरुध नै एवमाडिहा